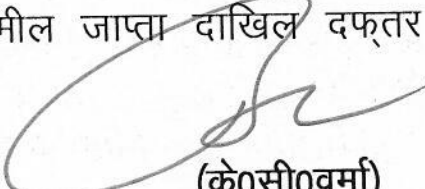


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज भूरा उर्फ भंवरलाल बनाम लीला पारीक 100/08 (आरसीएमएस नं. 2008/00013)	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
01.05.19	<p>पत्रावली वास्ते निर्णय पेश हुई। अधिवक्ता उभयपक्ष का दोराने बहस कथन रहा है कि अपीलान्ट एवं रेस्पोंडेन्ट ने अपील में वर्णित भूमि का आपसी सहमति के आधार पर विद्धा प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न सहमति पत्र/राजीनामा के आधार पर राजीनामा कर लिया है, ऐसी स्थिति में अपीलाधीन भूमि में अन्य कार्यवाही राजीनामे के अनुसार ही की जावेगी, ऐस स्थिति में अपील अपीलान्ट राजीनामें के आधार पर विद्धो करना चाहते है यानि अपील को आगे नही चलाना चहता है इसलिये अपीलान्ट की अपील को विद्धो किया जावे।</p> <p>हमने पत्रावली का अवलोकन किया तथा अधिवक्ता उभयपक्ष की बहस पर मनन किया गया। पक्षकारान के मध्य आपसी राजीनामा हो जाने के कारण अपील स्वयं ही अपनी अपील को आगे नही चलाना चाहता है तथा विद्धो करना चाहता है, ऐसी स्थिति में अब इस अपील को आगे चलाये रखे जाने का कोई औचित्य प्रतीत नही होता है।</p> <p>अतः उपरेक्त विवेचन के आधार पर अपीलान्ट स्वयं द्वारा अपनी अपील विद्धो किये जाने के कारण अपीलान्ट की अपील विद्धो/निरस्त की जाती है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो तहत रिकार्ड वापस लौटाया जावे तथा पत्रावली बाद तकमील जाप्ता दाखिल दफ्तर हो। आदेश सुनाया गया।</p> <p style="text-align: right;">  (के0सी0वर्मा) संभागीय आयुक्त जयपुर </p>	